महला की कलम से

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड। मोबाइल 9460557355

सहेजना ज़रूरी है, पर कितना?

मनुष्य की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह इस जीवन को स्थायी मानकर चलने लगता है। वह सोचता है कि जितना अधिक वह संचय कर लेगा-धन, संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा या संबंध-उतना ही उसका भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। वास्तव में, इसी सोच के कारण वह निरंतर संग्रह में लगा रहता है। परंतु संचय की यह प्रवृत्ति, जब आवश्यकता से अधिक(बहुत अधिक संचय की भावना)हो जाती है, तब वह जीवन को सरल नहीं बल्कि बोझिल बना देती है। मनुष्य का मन धीरे-धीरे इच्छाओं, भय और असंतोष से भरने लगता है। वह आज में जीना भूलकर कल की चिंता में अपना वर्तमान खो देता है।

हालांकि, कुछ हद तक व्यक्ति को संचय करना ठीक है, जैसा कि भविष्य की आवश्यकता हेतु संचय, विपत्ति हेतु संचय,आने वाले कल हेतु संचय आदि। संस्कृत में एक श्लोक में कहा गया है कि-%अद्य कृत्वा न कर्तव्यं कर्तव्यमद्य एव तत। भविष्ये निश्चयं कृत्वा संचयं कुरु बुद्धिमान॥% अर्थात् इसका मतलब यह है कि आज जो करना आवश्यक है, उसे आज ही करो। भविष्य को ध्यान में रखकर बुद्धिमान व्यक्ति संचय करता है।विपत्ति में भी संचय का महत्व है, क्यों कि संचित धन विपत्ति में मित्र के समान सहायक होता है; बिना संचय के कोई सहारा नहीं रहता। इसीलिए संस्कृत में कहा गया है-%संचितं हि भवेद् वित्तं विपत्तौ मित्रवत् सदा। असंचितस्य लोकेऽस्मिन् नास्ति कश्चित् सहायः॥% लेकिन आज का व्यक्ति हरदम,हर पल पदार्थ में रचा-बसा नजर आता है।वह ज्यादा से ज्यादा संचय कर लेना चाहता है,आवश्यकता से बहुत अधिक संचय। थोड़ा-थोड़ा संचय करना ठीक है।

इस संबंध में,संचय ग़र करना ही है तो व्यक्ति को मधुमक्खी से शिक्षा (थोड़ा-थोड़ा संचय) की शिक्षा लेनी चाहिए।जैसे मधुमक्खी प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा मधु संचित करती है, वैसे ही बुद्धिमान व्यक्ति नियमित रूप से संचय करता है। बड़े खूबसूरत शब्दों में कहा गया है-%यथा मधुकरो नित्यं मधु संगृह्य गच्छति।तथा बुद्धिमान् नित्यं अल्पमल्पं संचिनोति॥% कहना ग़लत नहीं होगा कि आदमी की संचय करने के पीछे आने वाले कल की सोच निहित होती है। कहते हैं कि जिसने पहले से संचय कर लिया, उसे भविष्य का शोक नहीं होता।

संस्कृत में कहा गया है कि-न हि भविष्यतः शोकः कृतसंचयमेव हि।बुद्धिमान् स भविष्याय पूर्वमेव संचिनोति॥ हालांकि, इसके विपरीत प्रकृति हमें बिल्कुल भिन्न संदेश देती है। पक्षियों के जीवन को देखें। वे कभी संचय नहीं करते। न उनके पास गोदाम होते हैं, न तिजोरियाँ। हर सुबह वे खुले आकाश में निकल पड़ते हैं-नई खोज, नए दाने और नए अनुभव की तलाश में। उन्हें यह चिंता नहीं सताती कि कल क्या होगा या परसों क्या मिलेगा। वे जानते हैं कि आज का दिन आज के लिए है। शाम होते-होते, दिन भर की उड़ान और संघर्ष के बाद, वे अपने छोटे-से घोंसलों में लौट आते हैं और शांति से विश्राम करते हैं। उनका घोंसला भी संग्रह का स्थान नहीं, बल्कि विश्राम और सुरक्षा का प्रतीक होता है। वास्तव में, पक्षियों का यह जीवन हमें यह सिखाता है कि विश्वास और संतोष कितने महत्वपूर्ण हैं।

वे प्रकृति पर भरोसा करते हैं और अपने श्रम पर भी। उन्हें भविष्य की अनिश्चितता डराती नहीं, क्योंकि वे वर्तमान में पूरी निष्ठा से जीते हैं। अगली सुबह फिर वही उल्लास, वही चहचहाहट और वही नई शुरुआत होती है। उनके जीवन में भय कम और स्वतंत्रता अधिक होती है।मनुष्य यदि चाहे तो पक्षियों से बहुत कुछ सीख सकता है। संचय आवश्यक है, परंतु सीमा में। आवश्यकता और लालच के बीच का अंतर समझना ही जीवन की परिपक्वता है। जब संचय ही जीवन का लक्ष्य बन जाता है, तब आनंद, प्रेम और शांति पीछे छूट जाते हैं। मनुष्य स्वयं द्वारा बनाए गए भंडार का रक्षक बनकर रह जाता है, जबकि जीवन उससे कहीं अधिक विशाल और प्रवाहमय है। सच्चा सुख अधिक जमा करने में नहीं, बल्कि कम में संतोष ढूँढने में है। पक्षियों की तरह हर दिन को एक नई यात्रा मानकर, पूरे मन से जीना ही जीवन की सार्थकता है।

आज का श्रम, आज का आनंद और शाम का विश्राम-यही जीवन की सरल, सुंदर और संतुलित लय है। यदि मनुष्य इस लय को समझ ले, तो उसका जीवन भी हल्का, मुक्त और आनंदपूर्ण हो सकता है। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि संचय जीवन में सुरक्षा और भविष्य की स्थिरता देता है, इसलिए यह आवश्यक है। लेकिन जब संचय आवश्यकता से अधिक होकर लोभ, संसाधनों की बर्बादी या दूसरों के अभाव का कारण बन जाए, तो वह अनुचित हो जाता है। अतः संतुलित और उद्देश्यपूर्ण संचय ही उचित माना जाना चाहिए।

कार्टून कोना...

ई- कचरे की बड़ी समस्या को सुलझाने में प्लास्टिक रिप्रोसेस से जुड़े उद्यमियों का बड़ा योगदान

इंदौर। ई-कचरे की समस्या आज पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रही है। प्लास्टिक रिप्रोसेस ग्रेनुअल मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन से जुड़े उद्यमी इस ई-कचरे की समस्या के समाधान में बड़े भागीदार बन रहे हैं, यह प्रसन्नता की बात है। इस दिशा में एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय माने जाना चाहिए।

ई-कचरे से नए और उपयोगी उत्पाद बनाने से पर्यावरण और अर्थव्यवस्था, दोनों को लाभ होता है। इस उद्योग श्रेणी में अब युवाओं को भी आगे आने की जरूरत है क्योंकि रिसायकलिंग उद्योग नए रोजगार के अवसर प्रदान करता है। इंदौर में जीडीपी को बढ़ाने में इस एसोसिएशन की भूमिका महत्वपूर्ण है और उद्यमियों की समस्याओं को सुलझाने और उन्हें केंद्र सरकार तक पहुँचाने के लिए मैं हर दम तत्पर बना हुआ हूँ। ये विचार हैं सांसद शंकर लालवानी के, जो उन्होंने प्लास्टिक रिप्रोसेस ग्रेनुअल मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के होटल सयाजी में आयोजित वार्षिक स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। एसो ऑफ़ इंडस्ट्रीज एमपी के अध्यक्ष योगेश मेहता, भाजपा के नगर कोषाध्यक्ष सचिन बंसल, शिक्षाविद स्वप्निल कोठारी, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबन्धक स्वप्निल गर्ग के विशेष आतिथ्य में इस अवसर पर औद्योगिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले उद्यमियों का सम्मान भी किया गया।

प्रारंभ में एसो. के अध्यक्ष गुरवीर सिंह ने संगठन की विभिन्न गतिविधियों का विवरण दिया और अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि योगेश मेहता ने प्लास्टिक उद्योग की खपत एवं उत्पादन में वृद्धि के साथ अपशिष्ट प्रबंधन का महत्व बताया। स्वप्निल कोठारी ने सुझाव दिया कि उद्योग अपनी क्षमता बढाएं और अपनी साधना से संसाधनों पर विजय प्राप्त करें। सचिन बंसल, स्वप्निल गर्ग, पुष्पेन्द्र सोलंकी, मयूर मसंद, योगेन्द्र रायकवार सहित अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखे। एसो. के सचिव रुचिल डोसी ने कार्यक्रम और संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अतिथियों से आग्रह किया कि वे उद्योगों की जटिल समस्याओं के समाधान में अपना आत्मीय सहयोग प्रदान करें। मुख्य अतिथि सांसद लालवानी ने शहर की जीडीपी को दोगुना करने और इंदौर को एक्सपोर्ट के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया और उद्यमियों से आग्रह किया कि वे अपनी समस्याएँ और सुझाव मुझे दें ताकि उचित फोरम पर उनका समाधान हो सके।

इस अवसर पर एसो. की ओर से श्रेष्ठ कीर्तिमान बनाने वाले उद्यमी और संगठन के अध्यक्ष गुरवीर सिंह, उद्योगपति वीरू सेन (रिया ट्रेडिंग), मोहन सिंह पंवार एवं राजन सिंह पंवार (पारस पाइप), ओमप्रकाश जैन, लोकेश जैन, विकास जैन (लोकेश इंटरप्राइजेस), अशोक यादव (जय गोपाला) को अतिथियों ने सम्मानित किया। मेहमानों का स्वागत रमेश माहेश्वरी, प्रकाश जैन भटेवरा, अशोक अग्रवाल, रामकिशोर राठी, अतुल खंडेलवाल, अतीत अग्रवाल, मनीष चौधरी, विजय राठौर, फखरुद्दीन आरिफ, जतिन दीवान, अनिल पालीवाल एवं कार्यकारिणी के कशिश दिवान, जीतू राठौर, प्रिंस महाजन, मधु खंडेलवाल, प्रीतेश जैन, मुकेश भटेवरा, महेश अवतानी, बीके गुप्ता, राकेश राजपूत, वीरू जैन, अमित तिवारी, डिंपल जैन आदि सदस्यों ने किया।

इस अवसर पर एसो ऑफ़ इंडस्ट्रीज एमपी के तरुण व्यास, प्रमोद डफरिया, सतीश मित्तल, अजय दसोंधी, मधुसूदन भल्लिका सहित 200 से अधिक उद्योगपति उपस्थित थे जिन्होंने एसो. द्वारा किए जा रहे कार्यों की खुले मन से सराहना की। अंत में जतिन दीवान ने आभार माना।

श्रीविद्याधाम पर ललिताम्बा महायज्ञ में गूँज रही स्वाहाकार की मंगल ध्वनि

इंदौर, । विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर 31 वें प्रकाशोत्सव में दूसरे दिन माँ ललिता पराम्बा का ब्रह्मचारिणी स्वरुप में मनोहारी श्रृंगार किया गया। मंदिर पर चले रहे सग्रहमख ललिताम्बा महायज्ञ में स्वाहाकार की मंगल ध्वनि प्रारंभ हो गई है, जिसमें 31 विद्वान प्रतिदिन सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक आहुतियां समर्पित कर रहे हैं।

गुप्त नवरात्रि के उपलक्ष्य में यहाँ प्रतिदिन भगवती का नित्य नूतन श्रृंगार भी किया जा रहा है, जिनके दर्शनार्थ भक्तों का मेला जुटने लगा है। आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि महायज्ञ के इस अनुष्ठान में भगवती के एक हजार नामों से ललिताम्बा महायज्ञ में प्रतिदिन आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में 11 विद्वानों एवं यजमानों द्वारा माँ को प्रिय व्यंजनों की आहुतियां समर्पित की जा रही हैं। 11 विद्वान यज्ञकर्म का संचालन कर रहे हैं। भगवती के नित्य नूतन और मनोहारी श्रृंगार का जिम्मा आचार्य पं. लोकेश शर्मा और उनके साथी निभा रहे हैं। मंदिर पर प्रतिदिन सुबह 6 बजे वैदिक संध्या वेदपाठ, 7-30 बजे षोडशोपचार पूजन, 9 बजे श्रृंगार आरती, दोपहर 2.30 बजे दुर्गा सप्तशती पाठ, शाम 6 बजे ललिता सहस्त्र नामावली से लक्षार्चन आराधना एवं शाम 8 बजे 108 दीपों से महाआरती के आयोजन 27 जनवरी तक होंगे। महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। शनिवार 24 जनवरी को शाम 5 बजे आश्रम परिसर से माँ अपने भक्तों को दर्शन देने शहर भ्रमण पर निकलेगी। एक सुसज्जित रथ में विराजित होकर माँ भगवती कालानी नगर, सुखदेव नगर, साठ फीट रोड, कान्यकुब्ज नगर, एयरपोर्ट रोड होते हुए पुनः आश्रम पहुंचेगी, जहाँ माँ को 56 भोग समर्पित किए जाएँगे। शोभा यात्रा की जोरदार तैयारियां की जा रही है।

हंसदास मठ परिसर में चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में श्रीसूक्त एवं पुरुषसूक्त से दी जा रही आहुतियाँ

इंदौर। एयरपोर्ट रोड पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर गुप्त नवरात्रि एवं मठ के दसवें लोकार्पण दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में विद्वान आचार्यों के निर्देशन में श्रीसूक्त एवं पुरुषसूक्त से आहुतियों का सिलसिला चल रहा है। हंस पीठाधीश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के सान्निध्य में मंगलवार को विधायक गोलू शुक्ला ने यज्ञशाला में पहुंचकर अग्नि देवता तथा सर्वतोभद्र मंडल के दर्शन पूजन कर यज्ञशाला की परिक्रमा की। मठ के पं. अमितदास महाराज ने बताया कि मठ स्थित भगवान रणछोड़जी एवं चिंताहरण पंचमुखी हनुमानजी को समर्पित इस लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में प्रतिदिन सुबह 8.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक यज्ञाचार्य पं. विवेक कृष्ण शास्त्री के निर्देशन में विद्वान आचार्यों द्वारा श्रीसूक्त एवं पुरुषसूक्त से आहुतियाँ संपन्न कराई जा रही है। आज भी बड़ी संख्या में यज्ञ में शामिल यजमानों एवं मठ से जुड़े श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला की परिक्रमा कर पुण्य लाभ उठाया। यज्ञ एवं परिक्रमा में मठ से जुड़े संत, महंत, विद्वान एवं श्रद्धालु यज्ञ देवता तथा लक्ष्मीनारायण का जयघोष करते हुए शामिल हुए। यज्ञ के यजमान समूह में श्रीमती वर्षा शर्मा, अनंत महंत एवं विनोद कुमार जोशी शामिल हैं जिन्होंने विद्वान आचार्यों के निर्देशन में विधि विधान से पूजन कर आहुतियाँ समर्पित की। मठ को पुष्पों एवं विद्युत सज्जा से श्रृंगारित किया गया है।

कारगिल अमर बलिदानियों की स्मृति में रोपे वृक्ष

इंदौर। देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले कारगिल के अमर बलिदानियों की स्मृति को जीवंत रखने और भावी पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति का बीज बोने के उद्देश्य से शौर्य नमन फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे विशेष वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत मंगलवार को विभिन्न शिक्षण संस्थानों में भावपूर्ण आयोजन किए गए। बलिदानियों की स्मृति में पौधे रोपे। इस क्रम में कैटेलिस्ट वर्ल्ड स्कूल में शहीद गार्ड्स मैन काशीनाथ जी, शासकीय विद्यालय असरावाद बुजुर्ग में शहीद हवलदार मानसिंह यादव जी तथा ग्लोरियस एजुकेशनल अकादमी, दुधिया में शहीद नायक हेमचरण सिंह जी के नाम पर वृक्षारोपण किया गया।

प्रत्येक वृक्ष के साथ शहीद के जीवन परिचय एवं शौर्य गाथा का विशेष बोर्ड भी स्थापित किया गया, ताकि यह वृक्ष केवल हरियाली का प्रतीक न रहे, बल्कि त्याग, बलिदान और राष्ट्रप्रेम की जीवंत पाठशाला बन सके। संस्था के पदाधिकारी रमेश चंद्र शर्मा (दादा), विक्की मालवीय, अक्षय तरहालकर एवं शिवेंद्र रावत ने इस अवसर पर विद्यार्थियों से संवाद करते हुए न केवल इस प्रकल्प की भावना साझा की, बल्कि उन्हें करियर मार्गदर्शन भी दिया। साथ ही शहीदों के परिवारों की सेवा और सम्मान के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि जब तक देश अपने शहीदों को स्मरण करता रहेगा, तब तक राष्ट्र की आत्मा जीवित रहेगी।

दास हनुमान बगीची पर जय सियाराम बाबा की प्रतिमा का पाटोत्सव संपन्न

इंदौर। शहर के पश्चिम क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्र, पीलिया खाल एरोड्रम रोड स्थित दास हनुमान बगीची पर मंगलवार को जय सियाराम बाबा की मूर्ति का पाटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दास बगीची पहुंचकर जय सियाराम बाबा की प्रतिमा के दर्शन पूजन किए। प्रतिमा का आज अनुपम श्रृंगार किया गया था।

श्री दास हनुमान बगीची जय सियाराम बाबा स्मृति ट्रस्ट की ओर से कैलाश कुसुमाकर, वीरेन्द्र गुप्ता, अशोक पटेल एवं पं. देवेन्द्र पुजारी ने बताया कि महोत्सव में सुबह गुरु मूर्ति की स्थापना के साथ ही भक्तों द्वारा विभिन्न किस्म के फूलों से बाबा की प्रतिमा का श्रृंगार शुरू किया गया।

दोपहर में पूर्णाहुति के पश्चात श्रृंगार दर्शन के लिए भक्तों का मेला जुटा रहा। रात्रि में राम रामायण मंडल द्वारा भजन संध्या के माध्यम से जय सियाराम बाबा के प्रति आदरांजलि समर्पित की गई। इस दौरान दास बगीची परिसर स्थित जय सियाराम बाबा संस्कृत विद्यापीठ के वेदपाठी ब्राह्मणों ने भी बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा, आस्था व्यक्त की।

मंगलवार को आरती और प्रसादी वितरण के पश्चात ब्राह्मण भोज का आयोजन भी किया गया। मंदिर ट्रस्ट की ओर से सत्यनारायण शर्मा, रामनिवास सांखला, विमल पाणिग्रही, भीमराज राठौर, दिलीप विजयवर्गीय एवं हरिश्चंद्र यादव ने सभी भक्तों की अगवानी की।

36 वी सीनियर राष्ट्रीय टेनिस बॉल क्रिकेट स्पर्धा नागपुर में

अनुज सेन कप्तान व अनुपम गुर्जर होंगे उपकप्तान

महू (इंदौर समाचार)भारतीय राष्ट्रीय टेनिस बॉल क्रिकेट महासंघ के तत्वाधान में महाराष्ट्र टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में 36 वी सीनियर राष्ट्रीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन नागपुर महाराष्ट्र में किया जा रहा है। उक्त स्पर्धा में भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश टीम की घोषणा संगठन के अध्यक्ष एडवोकेट प्रतिक्ष शर्मा व सचिव मनोज तिवारी ने की टीम इस प्रकार है-

अनुज कुमार सेन (कप्तान)
अनुपम गुजरे (उपकप्तान)
मनीष तारे ,नरेंद्र बेरागी , राजकुमार शर्मा ,प्रीत महाले,
राहुल नागले,रोशन उबनारे,
उदित चिमानिया,नीरज पडोले, पर्व शर्मा ,

तनिश पटेल, प्रनाध घोटाले,
ललितेश कुमार, हरीश पाटीदार (कोच),
नकुल शुक्ला (मेनेजर)

चयनित टीम को महू छावनी परिषद के अधीक्षक सतीश अग्रवाल पुर्व पार्षद राजेश खण्डेलवाल, योगेश गुप्ता, विशाल यादव ,एसोसिएशन के सन्दीप मिश्रा, संजय बाथम,डॉ मिश्रोलिया, अंकित वर्मा, गोपाल शर्मा मयूर सेन आदि ने बधाई व शुभकामनाएं दी। नागपुर नेशनल में होने वाली फेडरेशन की ,तरू में मध्यप्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट प्रतिक्ष शर्मा व सचिव मनोज तिवारी शामिल होंगे।

उक्त जानकारी एसोसिएशन के सचिव मनोज तिवारी ने दी।